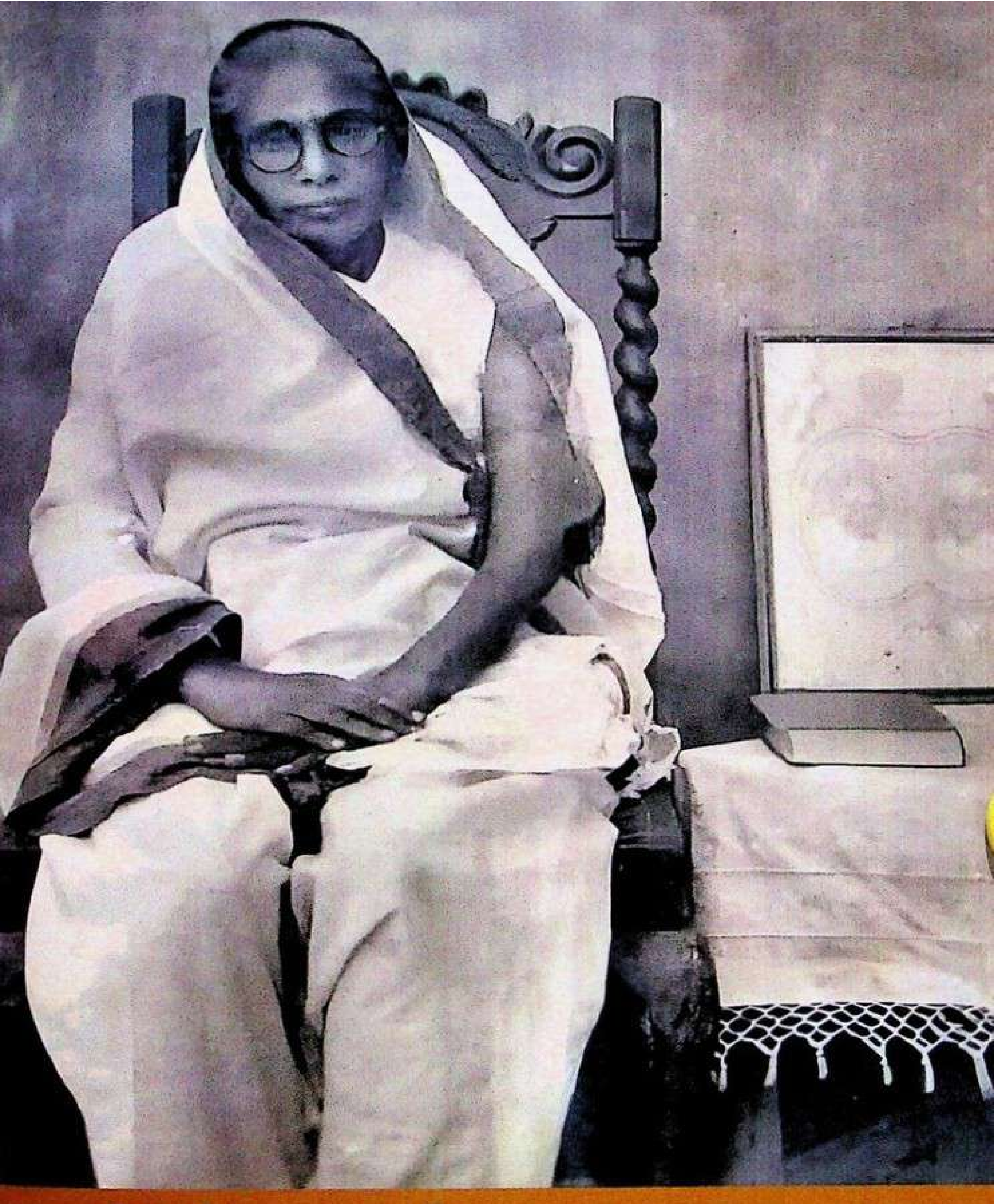

# वीरांगना के अमर गाथा

लेखक : शिवानुग्रह नारायण सिंह

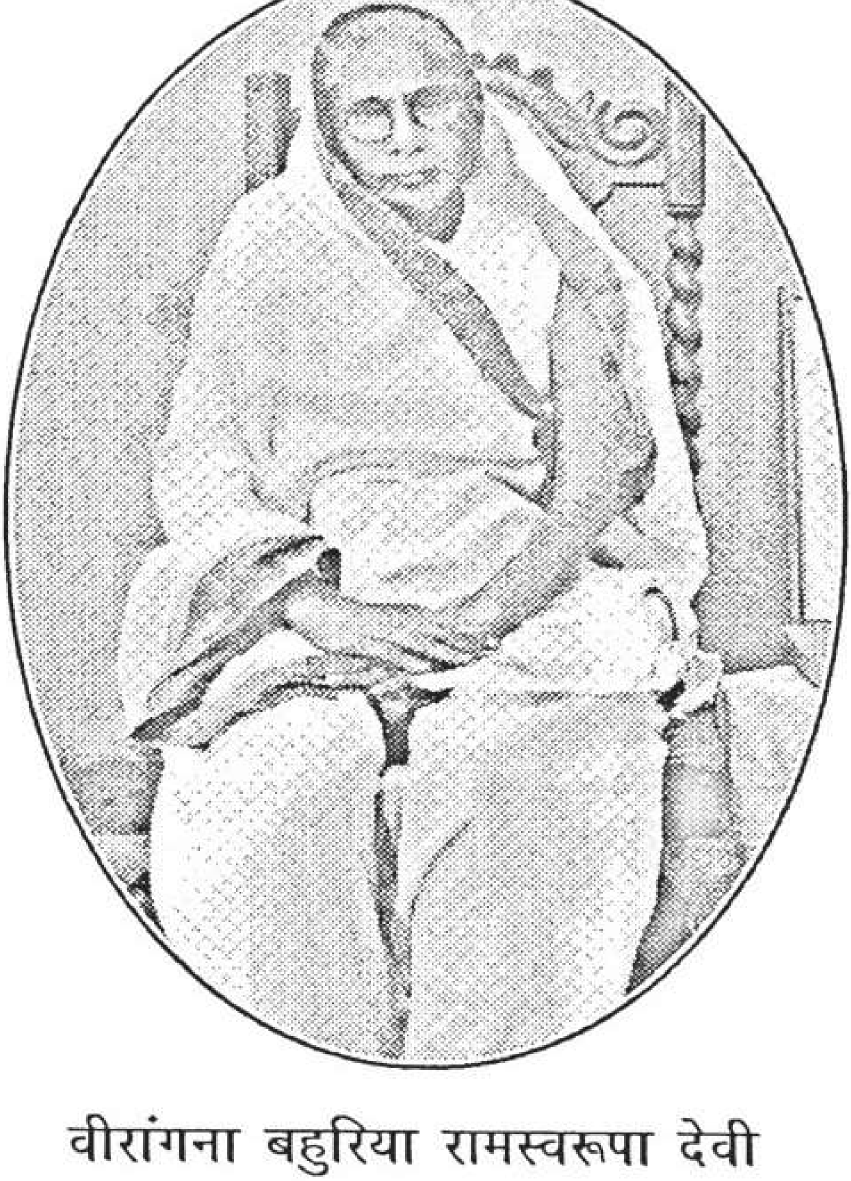

वीरांगना बहुरिया रामस्वरूपा देवी

www.bhojpurisahityangan.com

# वीरांगना के अमर गाथा

लेखक :
शिवानुग्रह नारायण सिंह

www.bhojpurisahityangan.com

प्रकाशक

अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन

पटना, बिहार-८४१३०२

पहिल संस्करण : २०२५

स्मृति शेष : वीरांगना के गाथा

आवरण टाईप सज्जा व रेखाचित्र : दिलीप कुमार शर्मा 'अज्ञात'
मुद्रक : अक्षर प्रेस, पटना

© शिवानुग्रह नारायण सिंह

मूल्य : 100 रुपये

www.bhojpurisahityangan.com

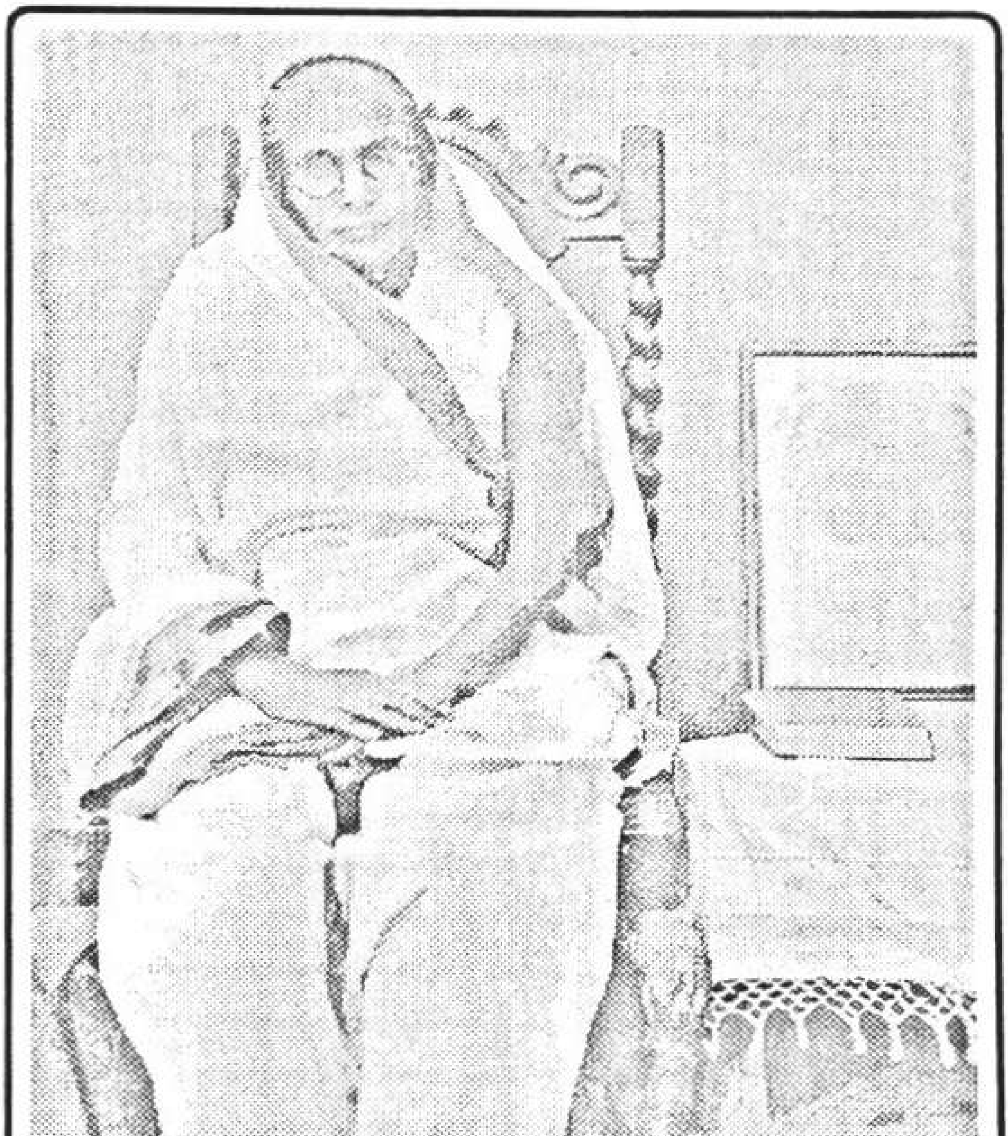

स्तुति शेष : वीरांगना बहुरिया रामस्वरूपा देवी

अमनौर के वीरांगना बहुरिया रामस्वरूपा देवी के ७२ वीं पुण्यतिथि आ अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के २८ वाँ अधिवेशन, अमनौर २९-३० नवंबर २०२५ के अवसर पर प्रकाशित पुस्तिका। ई पुस्तिका उहें के समर्पित बा।

www.bhojpurisahityangan.com

# -: विषय-सूची :-


| | | |
|---|---|---|
| आमुख : असाधारण क्रांतिकारी बहुरिया | : | 09 |
| संपादकीय : आपन दू टूम | : | 11 |
| अमनौर के वीरांगना बहुरिया रामस्वरूपा देवी | : | 13 |
| चित्र पट्टिका | : | 25 |




www.bhojpurisahityangan.com

www.bhojpurisahityangan.com

# असाधारण क्रांतिकारी बहुरिया

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के पन्ना जब-जब उलटल जाई त एगो पन्ना पर अदम्य साहसी नारी शक्ति के प्रतीक के रूप में अमनौर के बहुरिया रामस्वरूपा देवी के नाम सोनहुला आखर में लिखल मिली। बहुरिया सांचहुँ कवनो साधारण मेहरारू ना रहीं। ऊ झांसी के रानी लक्ष्मी बाई जइसन असाधारण क्रांतिकारी, साहसी महिला रही। जवना जगहा अंग्रेजी फौज के टॉमियन द्वारा दनादन गोलो चलत रहे, मर्दाना लोग सभा छोड़ के भाग चलल उहँवा बहुरिया जी आपन चूड़ी-खनखनावत ललकार के भागत भीड़ के उल्टे पाँव लवटा लिहनी। ई कवनों साधारण काम ना रहे। बाकिर उल्टे पैर लवटल भीड़ उनका ललकार के संजीवनी पाके उग्र होके जवन करतब दिखावल ऊ एगो इतिहात बन गइल।

बहुरिया रामस्वरूपा देवी के स्मृति शेष पुस्तिका लिख के शिवानुग्रह जी उनका के श्रद्धा सुनन अर्पित करत नवही लोगन के ओह ऐतिहासिक घटना से परिचय करावे के जवन काम कइनी ह ऊ देश



www.bhojpurisahityangan.com

के नौजवानन में नवजीवन भरी। एह पुस्तिका के लेखक शिवानुग्रह जी एगी सुलझल, प्रखर पत्रकार बानी। उहाँ का अपना कलम से वीरांगना आ उनका संगे क्रांतिकारी गोरा हत्याकांड के सहभागी लोगन के वीरता आ साहसी तेवर के जवन वर्णन अपना स्मृति शेष में रेखांकित कइनी ह ऊ सांच घटना के रोचक, रोमांचक वर्णन ह। पत्रकार लेखक शिवानुग्रह जी एकरा पहिले "भारतीय स्वाधीनता आंदोलन आउर सारण" लिख चुकल बानी। उनकर ऊ शोधपूर्ण पुस्तक एक अर्थ में सारण के स्वाधीनता संग्राम में भूमिका के दास्तवेज ह। ई पुस्तिका ओह संदर्भ में अमनौर के क्रांतिकारी इतिहास के एगो रोमांचक अंश ह।

*-डा. महामाया प्रसाद विनोद*

*कार्यकारी अध्यक्ष*

*अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन*

❑



www.bhojpurisahityangan.com

संपादकीय :

# आपन दू टूम

सूवा बिहार के सारण जिला के अमनौर प्रखंड आजादी के आंदोलन के गढ़ रहल बा। सांच पूछी त ई धरती देश के ठनकत पहरूआ ह। एहिजा के लोग स्वाधीनता आदोलन के इतिहासिक कथा-कहानी खाली पढ़ले ही नइखे, गढ़ले भी बा। ओही इतिहास गढ़े वाला में से एगो रहनीं अगनौर के वीरांगना बहुरिया रामस्वरूपा देवी। अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के २८ वाँ अधिवेशन जब अमनौर के धरती पर नाधाइल त हमरा के ओकर आयोजन सचिव बनावल गइल। एह राष्ट्रीय भोजपुरी साहित्यिक-सांस्कृतिक आयोजन के तारीख में विधानसभा चुनाव के चलते बदलाव कर के जब २९-३० नवंबर २०२५ के दिन रोपाइल त हमार धियान अचके बहुरिया जी के पुण्यतिथि पर गइल। इयाद परल कि २९ नवंबर १९५३ के दिन उहाँ का दुनिया छोड़ के परलोक सिधरले रहनीं। हम सचिव भहला के नाते आयोजन समिति के सामने ई प्रस्ताव रखनी कि जब संजोग से बहुरिया जी के गाँव में उहाँ के ७२ वाँ पुण्यतिथि के दिन अधिवेशन के अगाज होखी त काहे ना आयोजन स्थल के नाम उहें के नाम पर रखाव। थपरी बजा के सभे हमरा प्रस्ताव के समर्थन कइलस आ आयोजन स्थल की नाम रखाइल 'बहुरिया रामस्वरूपा देवी नगर, अमनौर'।

एकरा बाद अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन के २८ वाँ



www.bhojpurisahityangan.com

अधिवेशन के एह मौका पर हम बहुरियाजी के जीवन-चरित रेखांकित करत उहाँ के स्मृति में छोटहन पुस्तिका लिख के प्रकाशित करावे के ठननीं। अमनौर के बहुरिया जइसन क्रांतिकारी वीरांगना के जिनगी पर आधारित पुस्तिका रचल थोड़का कठिन काम रहे, बाकिर हमरा खातिर ओतना मुश्किल भी ना रहे। काहे कि साल २०२४ में प्रकाशित आपन किताब ''भारतीय स्वाधीनता आंदोलन आउर सारण'' लिखत हम बहुरिया जी के जीवन-चरित के बारीकी से अध्ययन कइले रहीं। एतने न लइकाई से छवारिक होखे तक आपन स्वतंत्रता सेनानी पिता जी बाबू जगन्नाथ प्रसाद सिंह 'अरियल' आ उहाँ के आउर क्रांतिकारी संगी-साथी लोग से बहुरिया जी के कथा-कहानी ढेरे सुनले रहनीं। बहुरिया जी की बेटी 'स्व. सुशिला देवी' आ पतोह पूर्व विधायिका 'राजकुमारी देवी' से भी उहां के बारे में बहुते कुछ सुनले जनते रहनीं। बस एही सब के आधार पर हप्ता-दू हप्ता के कोशिश में ई पुस्तिका 'वीरांगना के अमर गाथा' तइयार हो गइल। फेरू हम एह पुस्तिका के भूमिका लिखवावे खातिर आपन गुरुदेव डॉ.महामाया प्रसाद विनोद आ पुस्तिका के आवरण आउर टाईप सज्जा ला साहित्यकार मित्र दिलीप कुमार शर्मा 'अज्ञात' के लगे पहुँचनी। गुरुदेव विनोद बाबू के आर्शिवाद आउर साहित्यकार मित्र अज्ञात जी के सहयोग मिलला के बाद अब ई पुस्तिका अपने सुधी पाठक सभन के हाथ में बा। बाकिर, इहो ना कहब कि एह पुस्तिका में बहुरिया जी के जवन जीवन-चरित हम गढ़ले भा रचले बानी ऊ मुकम्मल बा। हो सकत बा कि उहाँ के जिनगी के कवनों पक्ष हमरा से छुट गइल होखे काहे कि उहां के चरित फइलल आसमान जइसन विशाल रहे। अइसे, एह पुस्तिका के रचे के कोशिश में हम केतना कामयाब भइल बानी एकर नाप-जोख के भार अपने सुधी पाठक सभन पर ही छोड़त बानी।

*- शिवानुग्रह*



www.bhojpurisahityangan.com

# अमनौर के वीरांगना बहुरिया रामस्यरूपा देवी

क्रांतिकारी तेवर वाली बिहार के पहिल औरत स्वाधीनता सेनानी रहली, जे सारण में निडर भाव से स्वतंत्रता संग्राम के अगुआई कइनीं, आपन क्रांतिकारी तेवर अपनावत ब्रिटिश शासन के प्रतिरोध कइनीं आ अंग्रेजन के सोझा निर्भिक नेतृत्व के परिचय दिहनीं। अपना के कभी अंग्रेजन के आगे ना झुके ना दिहनीं। ना ओह लोगन के डर से कबों अपना प्रण से पीछे हटनीं। बस देश के आजादी दिलावे के आपन लक्ष्य के ओर तेवर के साथे बढ़त रहनीं। हम बात करत बानी अमनौर के बहुरिया रामस्वरूपा देवी के जेकर जिनगी साहस, बलिदान आ राजनीतिक सक्रियता के प्रतीक रहल। उहां का अपना समय में ना खाली क्रांति के दिशा दिहनीं बलुक बिहार प्रांत के औरतन आ आम गरीब-गुरबा लोगन में अदम्य साहस भरनीं। अइसन साहस कि उहाँ के हुँकार पर मढ़ौरा में निहत्था साहसी लोग गोरा कांड कर घललस। ऊ कांड अगस्त क्रांति के इतिहास बन गइल।

**भागलपुर के बेटी आ अमनौर के पतोह**

बहुरिया रामस्वरूपा देवी के जनम भागलपुर जिला के कहलगांव



www.bhojpurisahityangan.com

थाना इलाका में बसल त्रिमुहान गाँव में ६ अगस्त १८८२ के भइल। बाबूजी भूपनारायण सिंह भागलपुर के जमींदार रहनीं। एह से इहां के बचपन जमींदारी ठाट-बाट में बीतल। अंग्रेजी, उर्दू आ हिन्दी भाषा के प्रारंभिक पढ़ाई आ धर्मशास्त्र के सामान्य ज्ञान हासिल कइनीं। हालांकि बाद में माध्यमिक परीक्षा भी पास कइनीं। ओह समय बाल विवाह के प्रथा रहे एह से सामाजिक रीति-रिवाज में बंधल त्रिमुहान गाँव के जमींदार परिवार में सहनाई बाज उठल। भागलपुर के ई बेटी महज नौ साल के उमर में साल १८९१ में अमनौर स्टेट के युवराज बाबू हरमाधव सिंह के साथ बिआह दिहल गइनीं। ससुराल पर्दा प्रथा के मानेवाला रहे लेकिन दुलहा हरमाधव बाबू प्रगतिशील आ उदार विचार वाला रहनीं। उहां का बहुरिया जी के व्यक्तित्व के विकास खातिर कवनों कोर-कसर ना उठा रखनीं। उहां का आपन मेहरारू बहुरिया जी के सामाजिक आ राजनीतिक गतिविधियन में सहज रूप से भाग लेवे खातिर प्रेरित करत रहनीं। बहुरिया जी अपना देशभक्त मरद के संगे हर सामाजिक आ आंदोलनात्मक गतिविधियन में भाग ले के प्रशिक्षित होत रहनीं।

## सविनय अवज्ञा आंदोलन से व्यक्तिगत सत्याग्रह तक हुंकार

बहुरियाजी आजादी के लड़ाई में पहिल बेर सविनय अवज्ञा आंदोलन में कूदनीं। एकरा बाद नमक सत्याग्रह से ले के व्यक्तिगत सत्याग्रह आ अगस्त क्रांति तक के ''आंदोलन में अंग्रेजों भारत छोड़ो'' के हुंकार भरनीं। औरत लोग के बीच 'उठ जाग हमार बहिना लोगिन' के आवाज बुलंद कइनीं आ नवजवान लोगन के ललकारत उहाँ का कहनीं कि 'जब देश पर संकट के बदरी घेरले होखे त घर में नुका के बइठल कायरता बा'।


www.bhojpurisahityangan.com

## सविनय अवज्ञा आंदोलन

एह आंदोलन के बेर १९२१ में औरतन आ नौजवानन में बहुरिया जी पूर्वी उत्तर प्रदेश आ पूरे बिहार में देश भक्ति के चेतना जगावे में सक्रिय भूमिका निभवनीं। एह दौरान उहां के गिरफ्तारी भी भइल आ भागलपुर जेहल में भेज दिहल गइनीं। जेहल से रिहा भइनीं त बिहार महिला कांग्रेस के कमान थमनीं आउर एह कांग्रेस के सभा सब के संचालन करे लगनीं। देखते-देखते उहां का बिहार महिला कांग्रेस के बड़हन नेत्री हो गइनीं।

## गया के भारतीय महिला कांग्रेस अधिवेशन में गिरफ्तारी

भारतीय महिला कांग्रेस के अधिवेशन १९३३ में गया में भइल। एह अधिवेशन के अध्यक्षता बहुरिया रामस्वरूपा देवी कइनीं। उहां के जवन भाषण दिहनीं ऊ बिहार के महिला सभन में जागृति आउर चेतना फइलावे वाला रहे। उहां के ऊ भाषण साहित्यकार आशा रानी बोरा के किताब "महिलाएं और स्वराज्य" में छपल बा। बहुरिया जी के ऊ भाषण हिन्दी में रहे, जवन हु-ब-हु प्रस्तुत बा। "मर्दों की गुलामी से मुक्त होने के लिए आवश्यक नहीं कि उदंडता से काम लें। अपने कर्त्तव्य को पहचान कर आगे बढ़ों। यह मत भूलों कि तुम केवल नारी हो, साथ-साथ ममतामयी मां भी हो। नारी और मां की आड़ में सुरक्षा ओढ़ कर बेकार मत बैठों। एक पहिए की गाड़ी कितना रास्ता तय करेगी। दूसरा पहिया उसमें जुड़ना ही चाहिए। वह इतने स्वस्थ रूप से जुड़े कि जरा रगड़ पड़ने पर चरमरा न जाय।" एह अधिवेशन के अध्यक्षता करे के जुर्म में उहां के उहयीं गिरफ्तार कर लिहल गइल।



www.bhojpurisahityangan.com

## नमक सत्याग्रह

नमक कानून तोड़े के आरोप में हरमाधव बाबू के १९३० में गिरफतार क के अंग्रेजी हुकूमत हजारीबाग जेहल में बंद कर दिहलस। उहां के गिरफ्तारी से बहुरिया जी तिलमिला उठनीं। सिंहनी लेखा गरजत अपना डेवढ़ी लांघ के बाहर निकलनीं। सारण के गांवन में आपन तूफानी दौरा शुरू कइनीं। गांवन के मरद-मेहरारू में अंग्रेजन के खिलाफ विद्रोह के आग भड़कवनीं। एह खिलाफत विद्रोह के चलते उहाँ के १ जनवरी १९३१ के गिरफ्तार कर लिहल गइल।

## सड़क पर उतरल लोग

बहुरिया जी के गिरफ्तारी के बाद अमनौर में जवन भइल ओकर अंदाजा अंग्रेज पुलिस अफसर आ जवानन का भी ना रहे। बहुरिया जी भी ना सोचले रहीं कि अइसनों हो जाई। अइसन भइल कि बहुरिया जी के गिरफ्तार कर के जवना गाड़ी से हजारीबाग जेहल ले जायल जात रहे ओकरा अगारी गाँव के लोगन के हुजूम सुत गइल। लाख कोशिश के बादों जब लोग ना हटल त चिढ़ल अंग्रेज अफसर लोगन के कचारत गाड़ी निकाले के हुकुम दिहलस। अंग्रेज अफसर के हुकुम सुनते बहुरिया जी सचेत भ उठनीं आ ओहिजा बिटोरा के गाड़ी के राह रोकले लोगन के समझा-बुझा के हटवनीं। बाद में गांधी जी के साथ वायसराय 'इरविन' के समझौता भइल आ कांग्रेसी नेता लोगन के साथे बहुरिया जी आ उनकर पति हरिमाधव बाबू के भी रिहा कर दिहल गइल। वावजूदों संघर्ष चलत रहल। एही बीच १९३५ में हरिमाधव बाबू तिरहुत क्षेत्र से परतंत्रता काल वाला बिहार-उड़िसा विधान परिषद के सदस्य चुनइनी। नमक सत्याग्रह के बाद स्वतंत्रता आंदोलन में एक तरह से सन्नाटा छा गइल लेकिन ई सन्नाटा आवे



www.bhojpurisahityangan.com

वाला तुफान के संकेत रहे।

## व्यक्तिगत सत्याग्रह के कमान

व्यक्तिगत सत्याग्रह के साथे १९४० में स्वतंत्रता आंदोलन के सन्नाटा भंग भइल। लेकिन दुर्भाग्य ई रहल कि तवले अमनौर के माथा से हरमाधव बाबू के साया उठ चुकल रहे। अब बहुरिया जी उनका जगहा आंदोलन के कमान थाम लिहनी। मुम्बई के कांग्रेस अधिवेशन में ८ अगस्त १९४२ के "अंग्रेजो भारत छोड़ो" के प्रस्ताव पारित भइल। देश के मनई के "करो आ मरो" के संदेश दिआइल। दूसरके दिन ९ अगस्त के राष्ट्र अंगराई लिहलस आ क्रांति के आग भड़क उठल। १८ अगस्त के मढ़ौरा मेहता गाछी में एगो ऐतिहासिक विस्फोट भइल। अमनौर के बहुरिया रामस्वरूपा देवी डेवढी से टमटम पर सवार हो के निकलनीं आ मढ़ौरा के सभा में शेरनी बन के दहड़नीं। उहां के ललकार पर निहत्था ग्रामीण लोग छव गोरा टॉमियन के मौत के नीन सुता दिहल। एकर गूंज इंगलैंड के संसद तक गूंजल आ मढ़ौरा के ई गोरा कांड अगस्त क्रांति के अमर इतिहास बन गइल।

## मढ़ौरा मेहता गाछी में ऐतिहासिक विस्फोट

मढ़ौरा मेहता गाछी में १८ अगस्त १९४२ के ऐतिहासिक विस्फोट भइल। एकर गूंज इंगलैंड के संसद तक गूंजल आ अगस्त क्रांति के अमर इतिहास बन गइल। ओह दिन मढ़ौरा के फैक्ट्रियन पर कब्जा जमावे आ थाना पर तिरंगा लहरावे के योजना रहे। दिन के १० बजत रहे आ मढ़ौरा के मेहता गाछी में जिला के कांग्रेसी कार्यकर्ता आउर गवंई मनई के जमावरा लागल रहे। मढ़ौरा आ अमनौर के अलावें मशरख, बनियापुर, परसा, गड़खा आ छपरा मुफस्सिल एरिया के लोग



www.bhojpurisahityangan.com

मेहता गाछी में पहुँचल रहे। एकर भनक छपरा कलक्टर आ एसपी के मिल गइल रहे। गोरा फौज के टुकड़ी १७ अगस्त के रात के मढ़ौरा पहुँच गइल रहे आ मिर्जापुर थाना में ठहरल रहे। फौज के एह टुकड़ी में ५०-६० गो घोड़सवार गोरा टॉमी सैनिक हरवा हथियार के संगे रहे। एने अमनौर के बहुरिया रामस्वरूपा देवी डेवढी लांघ के निकलनीं आ मढ़ौरा मेहता गाछी में नधाइल सभा में शेरनी बन के दहड़नीं। उनका ललकार पर मढ़ौरा आ एकरा आसपास के गाँवन के जुटल निहत्था लोग छव गो गोरा सैनिकन के मौत के नीन सुता दिहल।

कहल जाला कि मढ़ौरा के एह छव गोरन के हत्या कांड १८ अगस्त १९४२ के भइल जवन पटना सचिवालय के गोली कांड में सारण के दू गो नौवजवान के शहादत के बदला रहे। एह मढ़ौरा गोरा हत्या कांड के चरचा डॉ.के.के. दत्ता आपन ऐतिहासिक किताब 'फ्रीडम मुवमेंट इन बिहार' में विस्तार से कइले बानीं। बहुरिया जी के संघर्ष के कथा भोजपुरी भाषा के सातवीं दर्जा के किताब 'अंजोर' में भी 'बहुरिया के ललकार' शीर्षक से दर्ज बा। पाठ्य पुस्तक विकास समिति के वरीय सदस्य डॉ.महामाया प्रसाद विनोद द्वारा ई पाठ सम्मिलित कइल गइल।

भइल अइसन कि मेहता गाछी में सभा शुरू भइल। सभा के अध्यक्षता पं राम कुमार तिवारी करत रहनी। सुखदेव नारायण मेहता भाषण दे के मंच पर बइठलें आ बहुरिया जी बोले खातिर खाड़ भइनीं। बहुरिया जी के भाषण चलते रहे कि घोड़सवार गोरन फौज के टुकड़ी मेहता गाछी सभा स्थल पर पहुँच गइल आ लोग तितर-बितर होखे लागल।

## बहुरिया के हुंकार पर लौटल लोग के जवाबी हमला

गोरन सैनिकन के देख के लोग एने-ओने भागे लागल। लोग के



www.bhojpurisahityangan.com

भागत देख के बहुरिया जी ललकरनीं। आपन चूड़ी देखावत बोलनीं - 'चूड़ी पहिन के घर में बइठ जा लोग, इहवाँ गोरन से हम अकेलहीं लड़-भिर लेहब'। अंग्रेज तबले फायरिंग शुरू कर दिहलें। सैनिकन के गोली से एक ठो गाछ के डार टूट के गिरल। लोग का बुझाइल कि बहुरिया जी का गोली लाग गइल। भागत लोग लौट चलल आ गोरा सैनिकन पर ईटा-पत्थर बरसावे लागल। अंग्रेज घुड़सवार दस्ता में सामिल रंगरूटन के एकर तनिको भाने ना रहे कि अइसनों हो सकेला। ऊ सब घबड़ा गइलें आ ऐने-ओने भागे लगलें। भागत गोरन फौजी के टुकड़ी के देख निहत्था मनई लोग के हौसला बढ़ल आ ऊ लोग आपन हमला तेज कर दिहलस। गांवई मनई के हमला में पांच गो गोरन सैनिक मारल गइलें आ बकिये भाग परइलें। एक ठो अंग्रेज सैनिक 'आर फ्रांन्सिस' घबड़ाइल एगो घर में घुस गइल। घर में कुछ जनाना सब ओखरी में धान कुटत रहलीं ओह सभन के हाथ में मुसर रहे। ऊ सब मेहरारू मुसर से मार-मार के ओह सैनिक के मुआइ दिहलस।

## एक नौजवान के शहादत आ चार लोग गोली से घायल

गोरन टॉमी सैनिक के फायरिंग में मढ़ौरा के लेरूआ गाँव के नौजवान रामजीवन सिंह बलिदान दे दिहलें। सलखुआ गाँव के भगवान तिवारी, पकड़ी के रामविलास राय, हुस्सेपुर के चुड़ामन सिंह आ चंद्रदीप वीन का टॉमी सैनिकन के गोली लागल आ ई लोग घवाहिल हो गइल। एकरा बादों ओह दिन लोग के हौसला बुलंद रहे आ सभे गोरन के मारल गइला से बाग-बाग रहे। लोग में खुशी एह बात के रहे कि छव गो गोरन सैनिकन के ऊ लोग मार गिरवले बा।



www.bhojpurisahityangan.com

## नारायणी के हहरात लहर समेट लिहलस गोरन के लाश

मढ़ौरा में छव गो गोरन सैनिक के लाश पड़ल रहे। बहुरिया जी आ सुखदेव बाबू के चिंता एह बात के सतावे लागल कि अब का होई। अब त गोरन सब मढ़ौरा के फूंक दिहें। ओह समय गोरखनाथ चौबे मिर्जापुर थाना कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष आ सूरज सिंह महामंत्री रहलें। कांग्रेस के ई दूनों पदाधिकारी लोग सभा स्थल पर मौजूद परशुरामपुर गाँव के क्रांतिकारी नेता बासुदेव नारायण सिंह से सलाह लिहलस। बासुदेव बाबू ओह सभन के भरोसा दिहनीं कि कुछ ना होई। बहुरिया जी के उहाँ का हवेली जाय के सलाह देत कहनीं कि अब बाकी सब कुछ हमरा पर छोड़ दिहीं सभे। बासुदेव बाबू अपना गांव से टायर गाड़ी मंगवइनीं। ओहपर छवों टॉमी सैनिकन के लाश लादाइल आ मसुरिया के डांठ से झापल गइल। एकरा बाद टॉमियन के लाश मढ़ौरा से चार कोस दूर लेइजा के रेवा घाट के हैजलपुर के लगे नारायणी नदी के पानी में डाल दिआइल। कहल जाला कि अंग्रेज सैनिक सभन के लाश पानी में उतराये ना, एहसे डुबावे के पहिले सब लाशन में बड़हन-बड़हन पत्थर बांध दिआइल रहे। टॉमी सैनिकन के लाश गंडक नदी तक पहुँचावे आ पानी में डुबावे वालन वीरन में लगुनिया गाँव के रामचंद्र राय, परशुरामपुर गाँव के मसुरी राय आ तेज नारायण सिंह, मकसूदपुर गाँव के जयकरण सिंह, धर्मदेव सिंह, बलडीहां गाँव के शिव बालक सिंह, देवनंदन तिवारी, सकलदेव सिंह आ अमनौर के राजेन्द्र दूबे आ मोतिलाल महतो सहित कुछ आउर लोग रहलें। बासुदेव बाबू टायर गाड़ी के साथे-साथे अपने भी पैदल हैजलपुर के रेवा घाट तक गइनीं जहवां गंडक नदी के धार में लाशन के डुबावल गइल।



www.bhojpurisahityangan.com

## अमनौर में चलल अंग्रेज फौज के जबर्दस्त दमन चक्र

छव गो अंग्रेज सैनिक लोग के त मढ़ौरा में मौत के नीन सुता दिआइल, लेकिन एकर नतीजा भी अमनौर आ मढ़ौरा के लोग का कमती ना भोगे के पड़ल। बौखलाइल अंग्रेज फौज के कमांडर आपन दमन चक्र चलइलस। पहिले मढ़ौरा में घरे-घरे घुस के लोगन के पिटाई कइल आ ओकरा बाद अमनौर में फौज धावा बोललस। अंग्रेजी फौज के अमनौर पहुंचे के पहिलहीं से एहिजा के लोग का अंदाजा रहे। अमनौर में घुसे वाला मही नदी के पुल के एहिजा के लोग ध्वस्त कर दिहले रहे। बावजूदों फौज के लमहर टुकड़ी अमनौर में पहुँच गइल। फौजी लोग पहिल फायरिंग टूटल मही नदी पुल के लगे कइलस जवना में जयमंगल महतो के शहादत भइल। एहिजा से आगे बढ़ि के फौजियन सब बहुरिया जी के हवेली पर पहुँचल आ डायनामाइट लगा के उड़ा दिहलस। आजुओ अंग्रेजन के उड़ावल बहुरिया जी के हवेली खंडहर बनल ठाढ़ बा। एहिजा से अंग्रेज सैनिक सब जवाहर बाग में पहुँचल आ एहिजा के स्वराज आश्रम के बम लगाई के खंडहर बना दिहलस। हप्ता-दू हप्ता तक अमनौर में गोरन सैनिकन के धमक रहल बावजूदों एहिजा के लोग अगस्त क्रांति के आंदोलन के मरे ना दिहलस।

## चलल मुकदमा त बहुरिया जी का करे के पड़ल आत्मसमर्पण

मढ़ौरा में छव गोरन सैनिक सब के हत्या के मुकदमा छपरा कोर्ट में चलल। एह मुकदमा में बहुरिया रामस्वरूपा देवी, सुखदेव नारायण मेहता, बासुदेव नारायण सिंह, पंडित रामकुमार तिवारी समेत सोलह लोग के आरोपित कइल गइल रहे। एह केस के सुनवाई जिला जज के कोर्ट से ले के छपरा जेहल के भीतर तक भइल। बचाव पक्ष के


www.bhojpurisahityangan.com

ओर से बिना फीस के वकील पं विश्वनाथ मिश्र जी रहनीं। केस के सुनवाई शुरू होखे के पहिले सुखदेव नारायण मेहता आ आउर कुछ आरोपित लोग गिरफ्तार हो गइल रहलें। बाद में बहुरिया जी का भी आत्मसमर्पण करे के पड़ल। पं.विश्वनाथ मिश्र जी जोरदार बहस कइनीं आ चूकि टॉमी सैनिकन के लाश ना मिल पावल रहे आओह रात के जोरदार बरखा भइला से खून के निशाना दहा गइल रहे। एहसे भी केस कमजोर पड़ गइल। आरोपित लोगन के साल-दू साल से अधिका के सजाय ना हो पावल। एह केस में आरोपित स्वतंत्रता सेनानी लोगन के बिना फीस पैरवी करे वाला वकील पं.विश्वनाथ मिश्र जी के बारे में भी चरचा जरूरी बा। उहां का १९३० के नमक सत्याग्रह में खुदे जेहल काट चुकल रहीं आ १९४२ के आंदोलन में में भी सामिल रहीं। एतने ना पं.विश्वनाथ मिश्र जी के छपरा के मकान कांग्रेसी कार्यकर्ता लोग के लुकावे वाला घर रहे। उहां का १९३० से १९३५ तक अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सदस्य भी रहीं।

## पहिल चुनाव में मढ़ौरा के विधायक आ हरसठे मौत

अगस्त क्रांति अभियान के माथा पर १५ अगस्त १९४७ के विजय चनन लागल। स्वतंत्रता के बाद २६ जनवरी १९५० के देश आपन संविधान लागू कइलस। एह संप्रभुता वाला संविधान के प्रावधान के अनुसार १९५१-५२ में पहिल सामान्य निर्वाचन में बालिग मताधिकार के आधार पर लोकसभा के साथे बिहार विधानसभा के सदस्य लोगन के चुनाव भइल। कांग्रेस बहुरिया जी के मढ़ौरा विधानसभा चुनाव क्षेत्र के प्रत्याशी बनवलस। उहां का निर्दलीय उम्मीदवार देवी लाल जी के ८३९९ वोट के भारी अंतर से हरा के चुनाव जीत बिहार विधानसभा पहुँचनीं। एह चुनाव में बहुरिया जी का ११६३० आ देवी लाल जी का ३२३१ वोट मिलल रहे। पांच गो अउर प्रत्याशी भी खड़ा भइल रहे



www.bhojpurisahityangan.com

लोग आ ओह सब लोग के जमानत जब्त हो गइल रहे। दुर्भाग्य ई रहल कि उहाँ का बहुत दिन तक मढ़ौरा के जनता के सेवा ना कर पवनीं आ २६ नवंबर १६५३ के फजीरे दुनिया छोड़ विदा हो गइनीं। उहां के मृत्यु पर विहार विधानसभा शोक में डूब गइल रहे। सदन में शोकसभा आयोजित भइल आ उहाँ के 'बिहार के रानी लक्ष्मीवाई' के दरजा दिआइल। पूरा सदन पक्ष होखो भा विपक्ष बहुरिया जी के ओह दिन रानी लक्ष्मीवाई लेखा वीरांगना के रूप में इयाद कइलस।

## बहुरिया परिवार के राजनीतिक विरासत

आजादी के पहिले आ बाद में विहार के राजनीति में बहुरिया जी आ उहाँ के पति बाबू हरमाधव प्रसाद सिंह के पैठ त रहबे कइल परिवार भी ओह दूनों बेकत के सियासी विरासत के संभललस। हरमाधव बाबू गुलामी काल वाला १६३३ के विहार इन्टरिम गवर्नमेंट में तिरहुत क्षेत्र से विधान पार्षद बननीं। आजादी के बाद बहुरिया रामस्वरूपा देवी १६५१-५२ में मढ़ौरा के पहिलका कांग्रेसी विधायक चुनल गइनीं। बहुरिया जी के बाद उहाँ के बेटा कृष्ण माधव प्रसाद सिंह १६५७ के विधानसभा चुनाव में मशरख दक्खिनी विधानसभा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरनीं आ कड़ा टक्कर में प्रजा सोशलिस्ट पाटी के उम्मीदवार जमुना प्रसाद सिंह के ८८४ वोट से हरा के बिहार विधानसभा में पहुँचनीं। कृष्ण माधव बाबू के मृत्यु के बाद १६५८ में भइल उपचुनाव में मशरख दक्खिनी सीट से कांग्रेस के सिम्बल पर उहाँ के पत्नी बहुरिया राजकुमारी देवी चुनावी अखड़ा में उतरनीं। उहां का प्रजा सोशलिस्ट पाटी के उम्मीदवार जमुना प्रसाद सिंह के लगभग तीन हजार वोट से हरा के पहिल बेर बिहार विधानसभा पहुँचनीं। फेरू १६६२ के आम चुनाव में एही मशरख दक्खिनी सीट से बहुरिया राजकुमारी देवी कांग्रेस के टिकट



www.bhojpurisahityangan.com

पर चुनाव लड़नीं। अबकी उहां का प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार रामसेवक सिंह के ५८४३ वोट के अंतर से हरा के दूबारा विधायक चुनइनीं। एह चुनाव के बाद बहुरिया राजकुमारी देवी १९६७ के चुनाव में तरैया विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेसी उम्मीदवार भइनीं लेकिन समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी धर्मनाथ सिंह से चुनाव हार गइनीं। समाजवादी नेता धर्मनाथ बाबू भी अमनौर गाँव के ही निवासी रहनीं। १९६९ के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस बहुरिया राजकुमारी देवी के फेरू तरैया के प्रत्याशी बनवलस लेकिन अबकियो उहाँ का जनता पार्टी के उम्मीदवार प्रभुनारायण सिंह से पराजित हो गइनीं। ई उहाँ के आ वीरांगना बहुरिया रामस्वरूपा देवी के परिवार खातिर अंतिम चुनाव रहल। आजुओ एह परिवार से पूर्व विधायिका राजकुमारी देवी के छोटका बेटा अजय प्रताप सिंह 'शरद' प्रदेश कांग्रेस के सक्रिय राजनीति में बारन लेकिन अबले उहाँ का चुनाव लड़े के मौका ना मिलल ह।

❑



www.bhojpurisahityangan.com

# चित्र पट्टिका

www.bhojpurisahityangan.com

# आपन अमनौर

सारण जिला के एगो विधानसभा क्षेत्र आ प्रखंड मुख्यालय अमनौर। समुंदर तल से ५७ मीटर ऊंचाई पर बा ई गाँव। जिला मुख्यालय छपरा से ३२ किलोमीटर उत्तर आ राजधानी पटना से ५२ उत्तर बा। १८ गो ग्राम पंचाइत वाला अमनौर प्रखंड के पूरब दिशा में मकेर, पश्चिम में मढ़ौरा आ इसुआपुर, उत्तर में तरैया आउर दक्खिन में गड़खा प्रखंड का इलाका बा।

साल २०११ के जनगणना के अनुसार जनसंख्या

कुल जनसंख्या - १,६८,३३६

मरद के संख्या - ८६,३१२

मेहरारू के संख्या - ८२,०१३

साक्षरता दर - ६३.८२

मरद साक्षरता - ६२.१२

औरत साक्षात - ४२.५१

लिंगानुपात - ६६८



www.bhojpurisahityangan.com

# बाबू हरमाधव प्रसाद सिंह

जयंती : १४ अप्रेल १८७२

पुण्यतिथि : ५ जून १९३७

बहुरिया रामस्वरूपा देवी के पति आ प्रखर स्वतंत्रता सेनानी बाबू हरमाधव प्रसाद सिंह। १९३३-३४ में ब्रिटिश कालीन इन्टरिम गवर्नमेंट में तिरहुत निर्वाचन क्षेत्र से विधान पार्षद चुननइनीं।



www.bhojpurisahityangan.com

# बहुरिया रामस्वरूपा देवी

जयंती : १४ अप्रैल १८७२

पुण्यतिथि : २६ नवंबर १९५३

क्रांतीकारी स्वाधीनता सेनानी बहुरिया रामस्वरूपा देवी आजादी के वाद १९५१-५२ के चुनाव में मढ़ौरा के पहिलका कांग्रेसी विधायक चुनल गइनीं आ १९५३ तक विधायक रहनीं।



www.bhojpurisahityangan.com

# कृष्ण माधव प्रसाद सिंह

जयंती : १२ जुलाई १९१६
पुण्यतिथि : १४ जनवरी १९५८

बहुरिया रामस्वरूपा देवी के बेटा कृष्ण माधव बाबू अपना माई के बाद १९५७ के विधानसभा चुनाव में मशरख दक्खिनी सीट से कांग्रेस के टिकट पर बिहार विधानसभा पहुँचनीं १९५८ तक विधायक रहनीं।



www.bhojpurisahityangan.com

# बहुरिया राजकुमारी देवी

जयंती : १२ अप्रैल १६२२

पुण्यतिथि : ६ जनवरी २००८

बहुरिया रामस्वरूपा देवी के पतोह बहुरिया राजकुमारी देवी १६५८ के उपचुनाव आ १६६२ के आमचुनाव मशरख दक्खिनी सीट से कांग्रेसी विधायक आ १६६७ में हार। १६५६ के चुनाव में तरैया क्षेत्र के कांग्रेस प्रत्याशी आ फेरू हार।



www.bhojpurisahityangan.com

# अमनौर पर्यटन स्थल

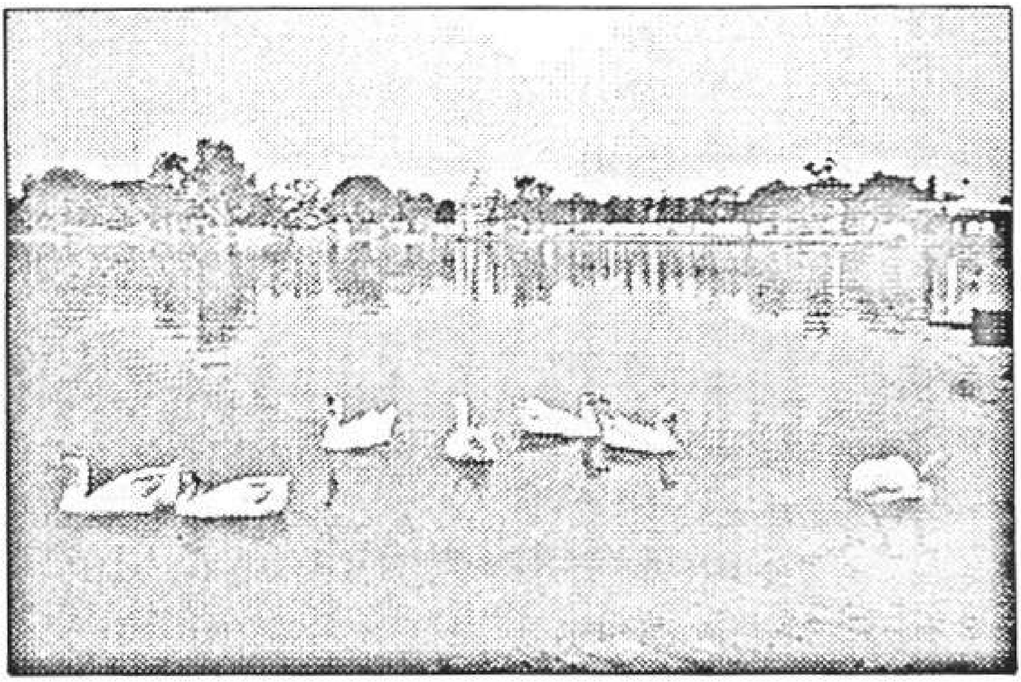

अमनौर गाँव के पूरबी किनारा पर स्थित, बड़का पोखरा के नाम से जानल जाए वाला पर्यटन स्थल स्थित बा। एह बड़का पोखरा के इतिहास मुस्लिम शासन आ आजादी के आंदोलन से जुड़ल बा। एकर सुंदरता आगंतुकन के मोहित कर देला आ दूर-दूर से लोग एहिजा घूमे आवेला।



www.bhojpurisahityangan.com

# अमनौर जवाहर बाग

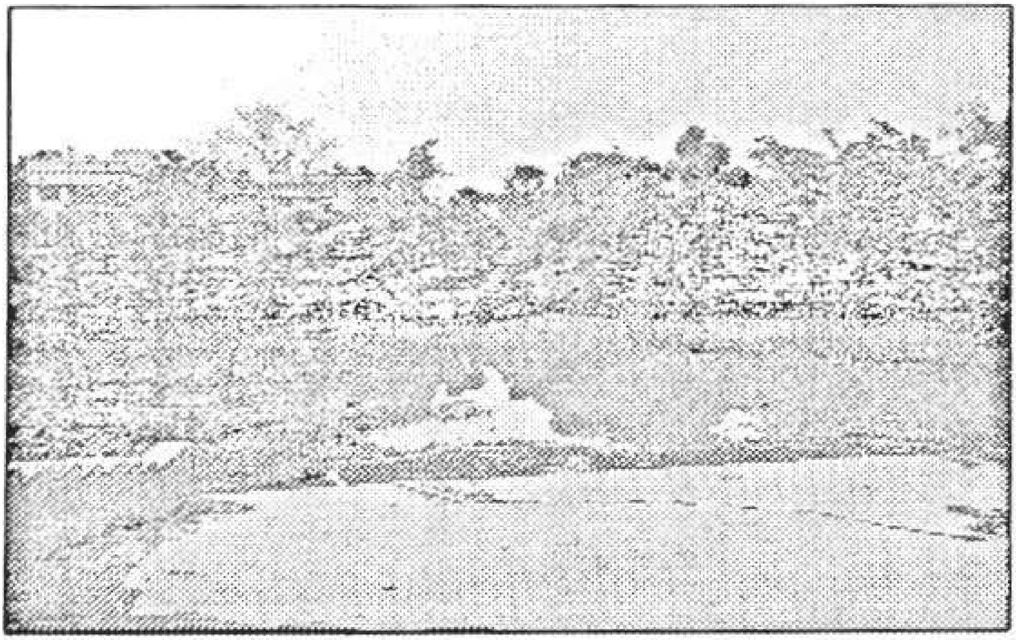

पंडित जवाहर लाल नेहरू १९३० में एही जवाहर बाग में बड़हन जनसभा के संबोधित कइले रहीं। ओह अतीत के इयाद करत अमनौर के ई जगहा आजुओ भी लहलहा रहल बा। दुर्गापूजा के बेरा जब एहिजा सर्वोदय मेला लागेला त ओकरा उद्घाटन आ समापन समारोह में पं. नेहरू के ओह सभा के चर्चा बरबस होखे लागेला।



www.bhojpurisahityangan.com

# हैजलपुर का गंडक नदी तट

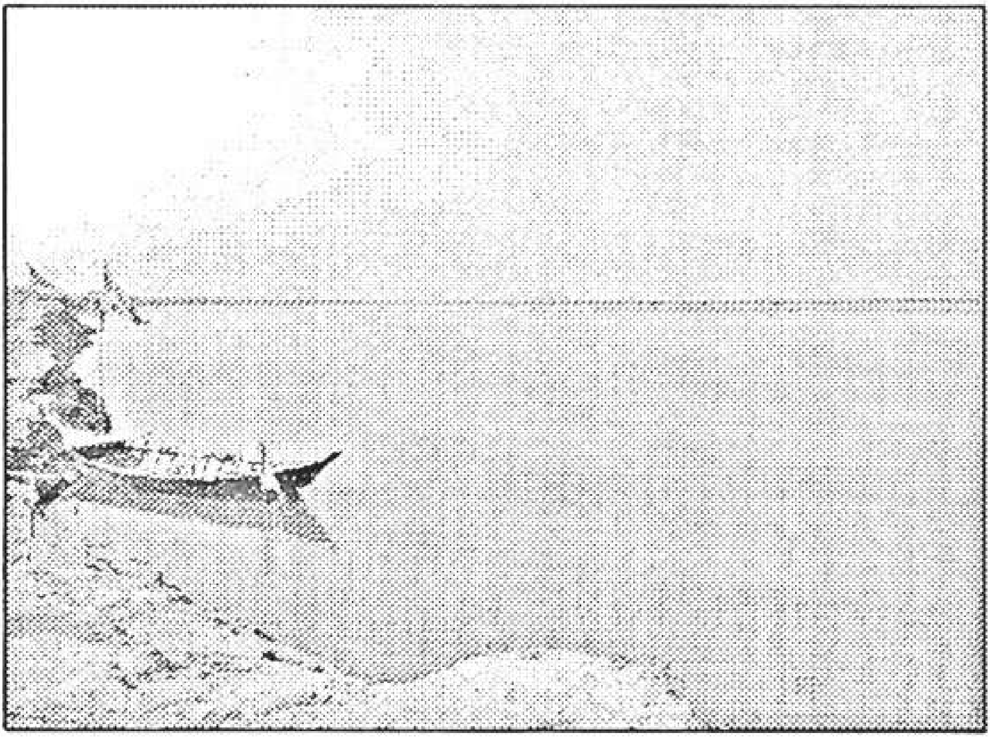

अमनौर प्रखंड के हैजलपुर गाँव के लगे स्थित गंडक नदी के किनारे ई उ जगहा ह जहवाँ १९४२ के अगस्त क्रांति के बेरिया मढ़ौरा मेहता गाछी में मारल गईल छह गो ब्रिटिश टॉमी सैनिकन के लाश नदी में डूबा दिहल गईल रहे। ई नदी के किनारा आजुओ गाँव के लोग के ओह घटना के याद दिलावत रहेला।



www.bhojpurisahityangan.com

# अमनौर मही नदी पुल

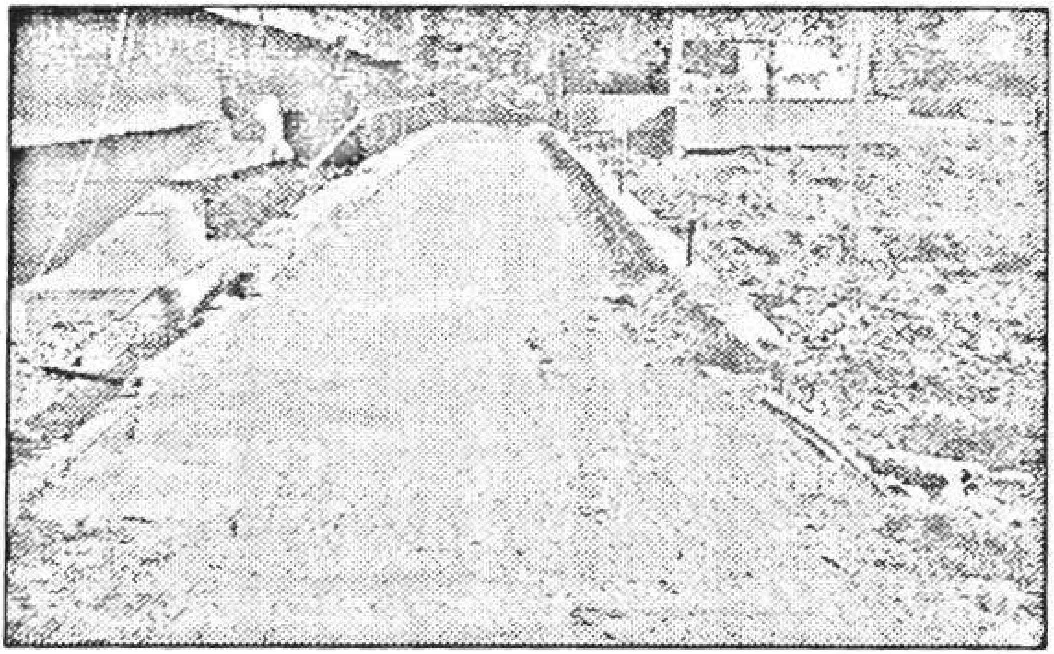

अमनौर गाँव के प्रवेश द्वारा पर बा ई पुरानका मही नदी पुल। एह पुल के अमनौर गाँव के लोग तब क्षतिग्रस्त कर दिहले रहे जब अंग्रेजी फौज के टुकड़ी गाँव में घुसे वाला रहे। इहवें अमनौर के वीर क्रांतीकारी जयमंगल महतो ब्रिटिश सैनिकन के गोली से शहीद भइनी।



www.bhojpurisahityangan.com

# बहुरिया की हवेली

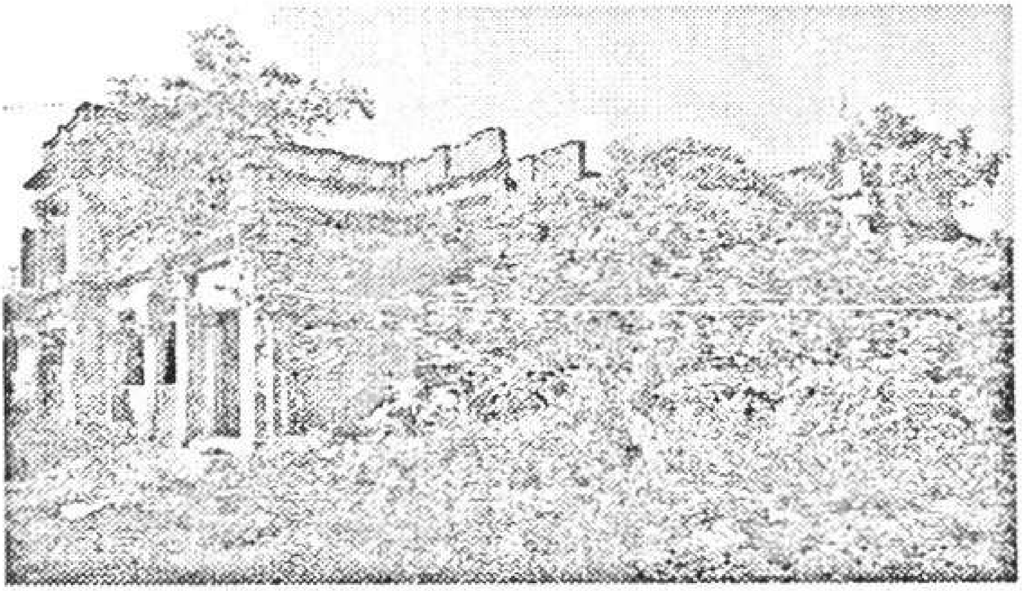

बहुरिया रामस्वरूपा देवी के ललकार पर १८ अगस्त १९४२ के गोरा हत्या कांड के दूसरका दिने ब्रिटिश सैनिक के टोली अमनौर पहुँच के तांडव मचलइलस। ऊ सैनिकन के टोली बहुरिया जी के हवेली के करिब आधा हिस्सा के डायनामाइट लगा के उड़ा दिहलस।



www.bhojpurisahityangan.com

# जमींदोज स्वराज आश्रम

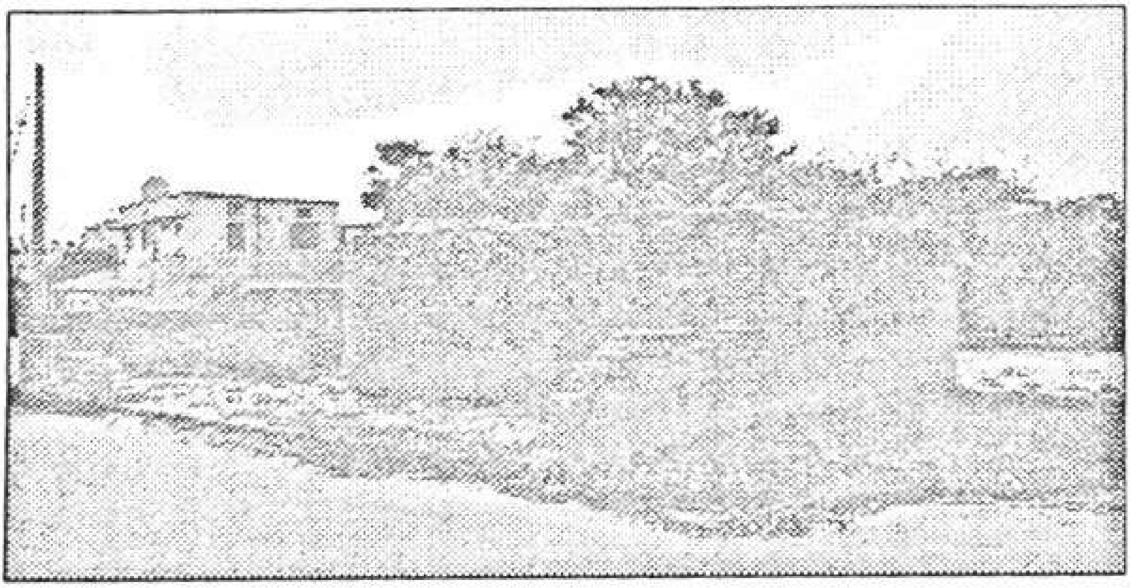

ई अमनौर के ऊ जमींदोज स्वराज आश्रम ह, जेकर नींव बहुरिया जी के पति हरमाधव प्रसाद सिंह के पहल पर साल १६२१ में अब्दुल बारी जी रखले रहनीं। १६ अगस्त १६४२ के दिन बहुरिया जी के हवेली के क्षतिग्रस्त कइला के बाद ब्रितानी सैनिक सब एह आश्रम के भी डायनामाइट से उड़ा दिहलस।



www.bhojpurisahityangan.com

# पी.एस.श्री उच्च विद्यालय

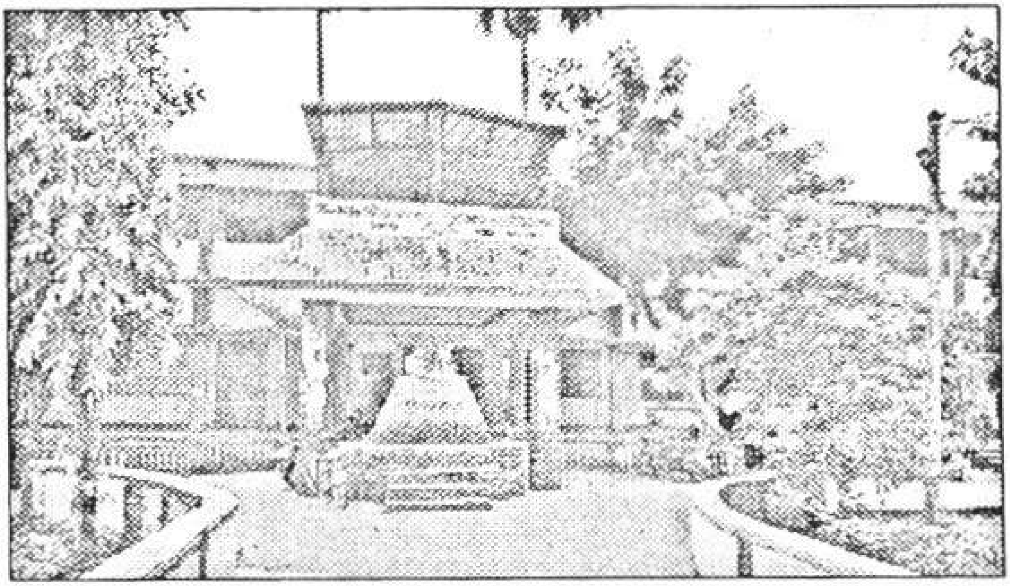

ई अमनौर गाँव के पी.एस.श्री उच्च विद्यालय ह। एह विद्यालय के स्थापना १८७६ में गाँव के लोग के सहयोग से भइल रहे। एकरा विकास में स्थानीय स्वतंत्रता सेनानी हरिमाधव प्रसाद सिंह के बहुत बड़ भूमिका रहे। ई विद्यालय स्वतंत्रता आन्दोलन के गतिविधियन से जुड़ल रहे।



www.bhojpurisahityangan.com

# स्वतंत्रता सेनानी स्मारक

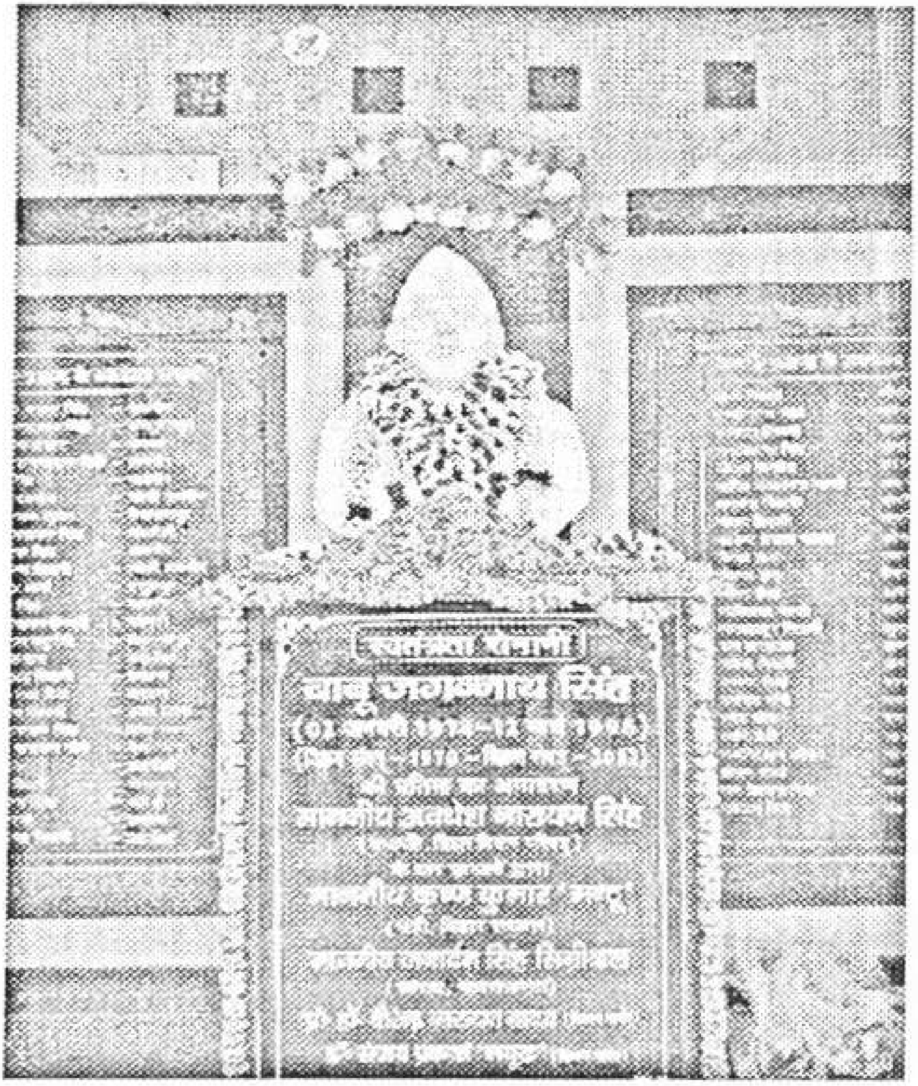

अमनौर गाँव के बहुरिया रामस्वरूपा देवी के महल्ला में १२ मार्च २०२५ के स्थापित ई स्वतंत्रता सेनानी स्मारक स्थल दर्शनीय बा। एह स्मारक स्थल पर आजादी के लड़ाई के बेरिया जेल बर्ड के नाम से मशहुर स्वतंत्रता सेनानी बाबू जगन्नाथ प्रसाद सिंह के प्रतिमा के साथे अमनौर प्रखंड के करीब ५० गो स्वाधीनता सेनानी लोग के नाम वाला शिलापट्ट लागल बा।



www.bhojpurisahityangan.com

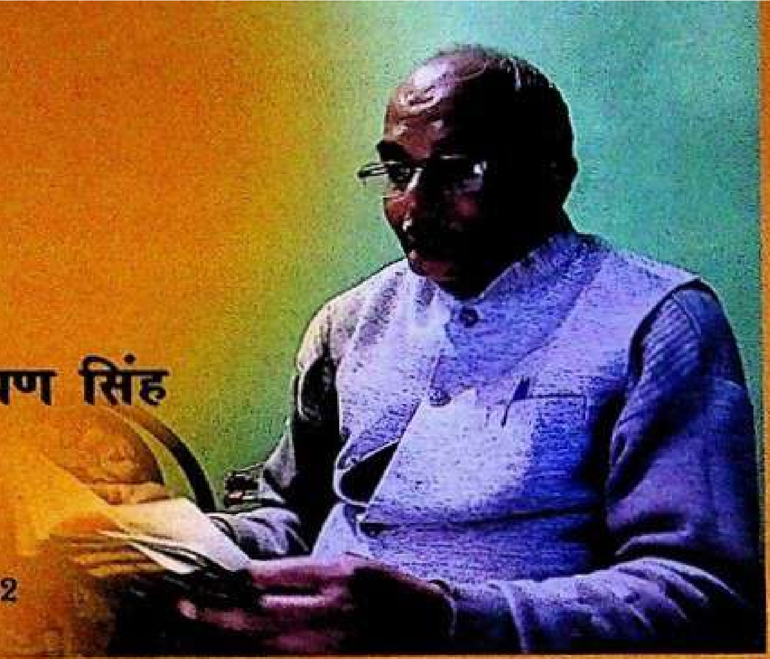

## शिवानुग्रह नारायण सिंह

जन्म : 1 जनवरी 1962

शिक्षा :

पैतृक गांव अमनौर में प्रारंभिक आ हाईस्कूल के शिक्षा। इंटर, बीए आ एमए मुन्शी सिंह कॉलेज मोतिहारी से। बीए अर्थशास्त्र प्रतिष्ठा आ एमए अर्थशास्त्र में।

कार्य क्षेत्र :

बहादुरपुर कॉलेज, बहादुर, मशरख (सारण) में शिक्षण कार्य, हिन्दी दैनिक आज, हिन्दी दैनिक जागरण, हिन्दी दैनिक हिन्दुस्तान, हिन्दी दैनिक भास्कर अखबार में पत्रकारिता सहित अन्य पत्र-पत्रिका म लेखन आ संपादन कार्य।

प्रकाशित किताब :

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन आउर सारण, सारव प्रकाशन, 2024

एक_पर एक (भोजपुरी ललित निबंध), सारव प्रकाशन, 2025

स्थायी पता :

"यशोदांचल", अमनौर हरनारायण, पोस्ट : अमनौर, जिला-
: सारण-841401 (बिहार)

वर्तमान पता :

यशोदांचल, प्रभुनाथनगर, बघवत बाबा कॉलोनी, छपरा, बिहार-841302

मोबाईल: 9102889260/9430515363

ईमेल : shivanugrah2016@gmail.com

अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन
पटना, बिहार-८४१३०२